SET – 2

Series : BVM/1

कोड नं.
Code No. 29/1/2

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

downloaded from StudentSuvidha.com

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।

*(ii) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

(iii) विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

खण्ड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

भारत की संस्कृति सदैव 'वसुधैव कुटुंबकम्' की पक्षधर रही है । वह जाति, सम्प्रदाय और प्रांत की इकाइयों में राष्ट्र का हित नहीं देखती । इन इकाइयों के कारण व्यक्तियों में संघर्ष होता है और वह संघर्ष देश के हित में बाधक होता है क्योंकि उससे सामाजिक व्यवस्था भंग होती है । ये इकाइयाँ हैं तो संकुचित और झगड़ों की जड़ , किंतु इनका अपना महत्त्व भी है ।

अपनी जाति, सम्प्रदाय या वर्ग के लिए प्रयत्नशील रहना और अपने वर्ग के लोगों को राष्ट्र की सेवा के लिए एक उपयोगी इकाई बनाना, यहाँ तक तो कोई बुरी बात नहीं, बुराई वहाँ से शुरू होती है जहाँ इन संकुचित इकाइयों के पारस्परिक प्रेम में बाँधने वाले संबंध सूत्र दृढ़ पार्थक्य रेखाएँ बनकर घृणा और द्वेष के बीज बोने लगते हैं । लोग एक दूसरे से ही बैर नहीं करने लगते वरन् देश से भी विद्रोह करने लग जाते हैं – "धर्म और संस्कृति को खतरे में बताकर देश–विरोधी नारे लगाने लगते हैं और अपनी मूल संस्कृति को ताक पर रख देते हैं । जातीय पार्थक्य भावना देश में भेदभाव उत्पन्न कर देश को कमजोर बना सकती है । सामाजिक व्यवस्था में सब जातियों का महत्त्व बराबर समझा जाए, किसी के साथ भेदभाव न हो तो उत्तम है । इसी प्रकार साम्प्रदायिकता में अपने धर्म पर दृढ़ता के साथ परधर्म सहिष्णुता भी चाहिए ।

हम चाहे जिस राज्य में भी रहें, भारतवासी पहले हैं । हम हिन्दू, मुसलमान, बौद्ध, सिक्ख–ईसाई होते हुए भी भाई–भाई हैं । अनेकता में एकता, विविधता में साम्य भारत की विशेषता है – धर्म, जाति, प्रांत सब राष्ट्र से बँधे हुए हैं । अतः हमें अपने में निष्ठा, देश–भक्ति, राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य का ज्ञान और भारत के प्रति सच्चे प्रेम का भाव रखना चाहिए ।

(क) जाति और संप्रदाय की भावना देश के लिए कब और कैसे अहितकर हो जाती है ? **(2)**

(ख) साम्प्रदायिकता की भावना से क्या तात्पर्य है ? उसे कैसे दूर किया जा सकता है ? **(2)**

(ग) जाति, सम्प्रदाय और प्रांत की इकाइयों को झगड़ों की जड़ क्यों कहा गया है ? **(2)**

(घ) "हम भारतवासी पहले हैं" – इस कथन से लेखक का क्या मंतव्य है ? स्पष्ट कीजिए । **(2)**

(ङ) भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषता क्या बताई गई है ? उसका आशय स्पष्ट कीजिए । **(2)**

(च) प्रस्तुत गद्यांश को एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । **(1)**

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

2. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $1 \times 5 = 5$

धर्माधिराज का ज्येष्ठ बनूँ ?
भारत में सबसे श्रेष्ठ बनूँ ?
कुल की पोशाक पहन करके,
सिर उठा चलूँ कुछ तन करके ?
इस झूठमूठ में रखा क्या है
केशव ! यह सुयश, सुयश क्या है !
विक्रमी पुरुष, लेकिन सिर पर
चलता न छत्र पुरखों का धर ।
अपना बल तेज जगाता है,
सम्मान जगत से पाता है ।
सब उसे देख ललचाते हैं ।
कुल गोत्र नहीं साधन मेरा,
पुरुषार्थ एक बस धन मेरा,
कुल ने तो मुझको फेंक दिया ।
मैंने हिम्मत से काम लिया ।
अब वंश चकित भरमाया है,
खुद मुझे ढूँढने आया है ।
जिस नर की बाँह गही मैंने
जिस तरु की छाँह गही मैंने
जीते जी उसे बचाऊँगा
या आप स्वयं कट जाऊँगा ।

(क) कर्ण ने पांडव-कुल की श्रेष्ठता को क्यों ठुकराया ?

(ख) पराक्रमी पुरुष की क्या पहचान बताई गई है ?

(ग) कर्ण कुल-गोत्र की अपेक्षा किस गुण को महत्त्व देता है ?

(घ) किस प्रकार के व्यक्ति को देख लोग ललचाते हैं ?

(ङ) कर्ण किसे बचाने का संकल्प कर रहा है और क्यों ?

अथवा

downloaded from StudentSuvidha.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

धूप चमकती है चाँदी की साड़ी पहने
मैके में आई बेटी की तरह मगन है
फूली सरसों से आके लिपट गई है
जैसे दो हमजोली सखियाँ गले मिली हैं
भैया की बाँहों से छूटी भौजाई-सी
लहँगे को लहराती हवा चली है
सारंगी बजती है खेतों की गोदी में
दल के दल पक्षी उड़ते हैं मीठे स्वर के
अनावरण यह प्राकृत छवि की अमर भारती
रंग-बिरंगी पंखुरियों की खोल चेतना
सौरभ से मह-मह महकाता है दिगंत को
मानव मन को भर देता है दिव्य दीप्ति से
शिव के नंदी-सा पानी पीता नदिका में
निर्मल नभ अवनी के ऊपर बिसुध खड़ा है
काल काग की तरह ठूँठ पर गुमसुम बैठा
सोई आँखों देख रहा है दिवावसान को ।

(क) काव्यांश के आधार पर ग्रामीण परिवेश के दो दृश्यों का उल्लेख कीजिए ।

(ख) हवा की तुलना कवि ने किससे की है और क्यों ?

(ग) फूलों के खिल उठने का क्या प्रभाव चारों ओर पड़ता है ?

(घ) मानव मन दिव्य दीप्ति से कैसे भर उठता है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) किन पंक्तियों का आशय है कि साँझ का सौंदर्य देखकर समय भी मानो ठहर गया ?

downloaded from StudentSuvidha.com

खण्ड – 'ख'

3. निम्नलिखित में से **किसी एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबंध लिखिए : **8**

(क) समाचार-पत्र का महत्त्व

(ख) भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियाँ

(ग) पर्यावरण प्रदूषण

(घ) भारतीय नारी

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

4. पढ़ने-लिखने की उम्र में भीख माँगने वाले बच्चों की समस्या पर किसी समाचारपत्र के संपादक को पत्र लिखिए और एक समाधान भी सुझाइए। **5**

अथवा

सड़क को चौड़ा करने के बहाने अधिक पेड़ काटे जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए राज्य के वन और पर्यावरण विभाग के मंत्री को पत्र लिखकर तुरंत कार्रवाई करने के लिए आग्रह कीजिए।

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : **1 × 4 = 4**

(क) जनसंचार माध्यमों के कुछ नकारात्मक प्रभाव गिनाइए।

(ख) इंटरनेट की बढ़ती लोकप्रियता के दो कारण लिखिए।

(ग) ऑल इंडिया रेडियो की स्थापना कब हुई ?

(घ) 'समाचार' शब्द की परिभाषा लिखिए।

(ङ) संचार के प्रमुख तत्त्वों का नामोल्लेख कीजिए।

6. प्लास्टिक के निरंतर बढ़ते जा रहे उपयोग के दुष्परिणामों पर एक आलेख लिखिए। **3**

अथवा

'देश के विकास में युवाओं की भागीदारी' विषय पर एक फीचर लिखिए।

खण्ड – 'ग'

7. निम्नलिखित में से **एक** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6**

किसी अलक्षित सूर्य को
देता हुआ अर्घ्य
शताब्दियों से इसी तरह
गंगा के जल में
अपनी एक टाँग पर खड़ा है यह शहर
अपनी दूसरी टाँग से
बिलकुल बेखबर !

अथवा

पूरन प्रेम को मंत्र महा पन, जा मधि-सोधि सुधारि है लेख्यौ ।
ताही के चारु चरित्र विचित्रनि, यों पचिकै रचि राखि बिसेख्यौ ।
ऐसो हियो हितपत्र पवित्र जो, आन-कथा न कहूँ अवरेख्यौ ।
सो घनआनद जान अजान लौं, टूक कियौ पर बाँचि न देख्यौ ।

downloaded from StudentSuvidha.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

8. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 + 2 = 4**

(क) 'देवसेना का गीत' के आलोक में बताइए कि देवसेना की निराशा और वेदना के क्या कारण हैं ?

(ख) विद्यापति के पदों के आधार पर नायिका की विरह वेदना स्पष्ट कीजिए ।

(ग) तुलसीदास के पठित अंश के आधार राम और भरत के प्रेम पर टिप्पणी कीजिए ।

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए –

चोट खाकर राह चलते
होश के भी होश छूटे
साथ जो पाथेय थे
ठग ठाकुरों ने रात लूटे ।

9. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** काव्यांशों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : **3 × 2 = 6**

(क) रकत ढरा माँसू गरा, हाड़ भए सब संख ।
धनि सारस होइ ररि मुई, आइ समेटहु पंख ।।

(ख) ऊँचे तरुवर से गिरे
बड़े बड़े पियराए पत्ते
कोई छह बजे सुबह जैसे गरम पानी से नहाई हो –
खिली हुई हवा आई, फिरकी-सी आई, चली गई !

(ग) इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल !
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण ।

(घ) पुलकि शरीर सभाँ भए ठाढ़े । नीरज नयन नेह जल बाढ़े ।।
कहब मोर मुनिनाथ निबाहा । एहि तें अधिक कहौं मैं काहा ।।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **5**

दुख और सुख तो मन के विकल्प हैं । सुखी वह है जिसका मन वश में है, दुखी वह है जिसका मन परवश है । परवश होने का अर्थ है खुशामद करना, दाँत निपोरना, चाटुकारिता, हाँ-हजूरी । जिसका मन अपने वश में नहीं है वही दूसरे का छंदावर्तन करता है, अपने को छिपाने के लिए मिथ्या आडंबर रचता है, दूसरों को फँसाने के लिए जाल बिछाता है । कुटज इन सब मिथ्याचारों से मुक्त है । वह वशी है । वह वैरागी है । राजा जनक की तरह संसार में रहकर, संपूर्ण भोगों को भोगकर भी उनसे मुक्त है ।

अथवा

दूर जलधारा के बीच एक आदमी सूर्य की ओर उन्मुख हाथ जोड़े खड़ा था । उसके चेहरे पर इतना विभोर, विनीत भाव था मानो उसने अपना सारा अहम त्याग दिया है, उसके अन्दर 'स्व' से जनित कोई कुंठा शेष नहीं है, वह शुद्ध रूप से चेतन स्वरूप आत्माराम और निर्मलानंद है ।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

11. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **3 + 3 = 6**

(क) "यथास्मै रोचते विश्वम्" के लेखक ने कवि की तुलना प्रजापति से क्यों की है ?

(ख) 'जहाँ कोई वापसी नहीं' लेख में लेखक ने 'आधुनिक भारत के नए शरणार्थी' किन्हें कहा है और क्यों ?

(ग) आपकी पाठ्यपुस्तक में संकलित असगर वजाहत की लघु कथाओं में आप किसे सर्वाधिक सशक्त मानते हैं और क्यों ? तीन कारण लिखिए ।

(घ) संवदिया के बारे में कहा जाता है कि वह संवाद को ज्यों का त्यों सुनाता है, फिर भी हरगोबिन बड़ी बहू गीता का संवाद नहीं सुना पाया । कारण स्पष्ट कीजिए ।

12. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' **अथवा** घनानंद का जीवन-परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । **5**

अथवा

रामविलास शर्मा **अथवा** भीष्म साहनी का जीवन परिचय देते हुए उनकी भाषागत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

13. 'सूरदास' की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए और बताइए कि आपको इस पात्र से क्या प्रेरणा मिलती है ? **4**

अथवा

सूरदास की झोंपड़ी में आग किसने और क्यों लगाई ? झोंपड़ी जलने के बाद सूरदास की मनोदशा पर टिप्पणी कीजिए ।

14. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **4 + 4 = 8**

(क) "... इसकी सच्चाई तो वही जाणै है, जिस पर सचमुच का पहाड़ टूटा है ।" 'आरोहण' कहानी के आधार पर भूपसिंह पर टूटे पहाड़ की चर्चा कीजिए ।

(ख) 'वह फूल की राख न थी, उसकी अभिलाषाओं की राख थी' किसके बारे में कहा गया है, क्यों ? 'सूरदास' के संदर्भ में आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'बिस्कोहर की माटी' के आधार पर विसनाथ के गाँव की दो विशेषताएँ लिखिए जो आपको अच्छी लगीं, कारण भी बताइए ।

(घ) "हमारी आज की सभ्यता इन नदियों को अपने गंदे पानी के नाले बना रही है ।" क्यों और कैसे ? 'अपना मालवा ...' के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com